भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
12.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2292 का उत्तर

रेल लाइन का विस्तार

2292. श्री अजय भट्ट:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास उत्तराखंड में नई रेल लाइनों के विस्तार और नई रेलगाड़ियां शुरू करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान नई रेल परियोजनाओं के लिए उत्तराखंड को आवंटित कुल धनराशि का परियोजनावार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम स्थान संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों एवं वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

उत्तराखंड में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली नई लाइन परियोजनाएँ भारतीय रेल के उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

पिछले 3 वर्षों अर्थात् 2021-22, 2022-23, 2023-24 और वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तराखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले 319 किलोमीटर लंबाई के 05 सर्वेक्षण कार्य (03 नई लाइन और 02 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, उत्तराखंड राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 25,941 करोड़ रूपए की लागत वाली 216 किलोमीटर कुल लंबाई की 03 नई लाइन रेल परियोजनाएं, योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 06 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है, और मार्च 2024 तक 15,777 करोड़ रूपए का व्यय किया गया है।

कार्य की स्थिति संक्षेप में निम्नानुसार है:-

मुख्य शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रूपए में)
नई लाइनें	03	216	06	15777
कुल	03	216	06	15777

वर्ष 2014 से, बजट आवंटन और अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की तदनुरूपी कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि हुई है। उत्तराखंड राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाले अवसंरचना संबंधी कार्यों और अन्य कार्यों हेतु औसत वार्षिक बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	187 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	5131 करोड़ रु. (लगभग 27 गुना)

चूंकि रेलवे नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए गाड़ियों को नेटवर्क आवश्यकता के अनुसार ऐसी सीमाओं के आर-पार शुरू किया जाता हैं। बहरहाल, उत्तराखंड राज्य में स्थित स्टेशनों के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, 2023-24 से 2024-2025 (फरवरी, 2025 तक) के दौरान, 22545/46 लखनऊ-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस और 22457/58 आनंद विहार (टर्मिनल)-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस सहित 14 नई गाड़ियां प्रारंभिक/टर्मिनेटिंग आधार पर शुरू की गई हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर नई गाड़ी की शुरूआत परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन एक सतत् प्रक्रिया है।

*****